www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार... राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 1 अक्टूबर, 2022 | वर्ष-15 | अंक-176 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

नीतिगत दरों में बढोतरी से रियल एस्टेट होगा प्रभावित : उद्योग

नई दिल्ली, 30 सितंबर (एजेंसियां)। रियल एस्टेट उद्योग ने बढ़ती महंगाई को काबू में करने और विकास को गति देने के उद्देश्य से रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति द्वारा नीतिगत दरों में आज की गयी बढ़ोतरी का स्वागत किया है लेकिन कहा है कि इससे उससे असर पड़ेगा।

गौर समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं क्रेडाअई एनसीआर के अध्यक्ष मनोज गौर ने कहा कि आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 आधार अंकों की वृद्धि अब इसे पूर्व-महामारी के स्तर से ऊपर ले जाती है। एक तरफ यह अर्थव्यवस्था में विश्वास और दूसरे स्तर पर भविष्य के विकास के दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो हाल के वैश्विक विकास जैसे कि रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई आक्रामक मौद्रिक नीतियों ले कारण आवश्यक थी। भले ही इसका रियल एस्टेट क्षेत्र पर मामूली प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आरबीआई इस वृद्धि को त्योहारों के बाद के मौसम के लिए स्थगित कर सकती थी। खरीदारों का उत्साह आवासीय रियल एस्टेट सेक्टर बना हुआ है और यह उछाल बरकरार रहने की उन्हें उम्मीद है।

एसकेए ग्रुप के निदेशक संजय शर्मा ने कहा कि रेपो दर में वृद्धि मामूली है और खरीदारों पर इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि दरों में न्यूनतम वृद्धि होगी। अचल संपत्ति में प्रचलित वैश्विक परिदृश्य के साथ यह काफी अपेक्षित था। डेवलपर्स आरबीआई के इस फैसले की मदद से इनपुट लागत से निपटने से निपटने के लिए एक सुविधाजनक माध्यम के तौर पर देखेंगे।

एबीए कार्प के निदेशक एवं क्रेडाई पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अमित मोदी ने कहा कि इसका पहला और सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव होम लोन की ब्याज दरों पर पड़ेगा। यह मध्यम-आय वर्ग के घर खरीदारों के लिए एक झटका होगा क्योंकि इससे उन्हें पिछले साल की तुलना में फिर से लागत अधिक होगी। हालांकि, मुद्रास्फीति को रोकने के लिए यह एक कुशल कदम है क्योंकि दुनिया भर में इनपुट लागत में समग्र वृद्धि हुई है।

भूमिका ग्रुप के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति, यूक्रेन-रूस युद्ध और वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ऋण की दरों में वृद्धि ने इसे ज्यादा जगह नहीं छोड़ी जिसके कारण यह वृद्धि हुई है। इसका रियल्टी पर, खासकर कमर्शियल सेगमेंट पर असर निश्चित असर पड़ेगा।